आंटी के साथ चुदाई की सुनहरी रात-2

“आंटी ने मेरा लंड पकड़ लिया और चूसने लगी. मैं हैरान था कि आंटी यह क्या कर रही हैं. लेकिन पहली बार होने के कारण मैं आंटी के मुँह में झड़ गया. उसके बाद … …”

Story By: अज्ञात (_agyat)
Posted: Monday, November 25th, 2019
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: आंटी के साथ चुदाई की सुनहरी रात-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आंटी के साथ चुदाई की सुनहरी रात-2

 यह कहानी सुनें

आपने अब तक की चुदाई की कहानी के पहले भाग
आंटी के साथ चुदाई की सुनहरी रात-1
में पढ़ा था कि मारिया आंटी ने मेरा लंड पकड़ लिया था और वे मेरा लंड चूसने लगी थीं.

अब आगे :

कुछ देर बाद मैंने अपनी आंखें खोलीं और नीचे देखा. आंटी लॉलीपॉप की तरह मेरा लंड चूस रही थीं. ये मेरा पहला अनुभव था, जिसकी उत्तेजना की वजह से मैं कुछ ही मिनट में ही आंटी की मुँह में झड़ गया. आंटी ने मेरा सारा वीर्य पी लिया. उन्होंने अपने जीभ से ही मेरे लंड को साफ़ किया और फिर उठकर मुँह धो लिया.

ये जो कुछ भी हुआ था, उससे मैं सदमे में था. मैं वहीं वैसे ही खड़ा था.

आंटी ने कहा- अब ऐसे ही खड़े रहोगे या डिनर भी करोगे. जल्दी से पैंट पहन लो और टेबल पर आ जाओ. डिनर लगभग तैयार हो गया है.
तभी कुकर की सीटी बजी.

मैं बिना कुछ बोले अपनी पैंट पहनकर कुर्सी पर बैठ गया. आंटी ने खाना परोसा और मैं चुपचाप खाने लगा.

मैंने देखा कि आंटी ने दो गिलास में वाइन के पैग बना रखे थे. मैंने असमंजस से उन गिलासों की तरफ देखा, तो आंटी ने मुझे आंख मारते हुए ड्रिंक करने का इशारा किया. मैंने

पैग उठाया, तो आंटी ने भी अपोनापना गिलास उठा लिया. हम दोनों ने चियर्स बोला और गिलासों को होंठों से लगा लिए.

वाइन पीते पीते मैं बीच बीच में आंटी की ओर देख रहा था. मैंने देखा कि आंटी नशीली और वासना से भरी आंखों से लगातार मेरी ओर देख रही थीं. हम दोनों ने तीन तीन पैग खींचे और खाना खत्म किया.

खाना ख़त्म होने के बाद आंटी सारे बर्तन लेकर रसोई में चली गईं. मैंने हाथ धोए और मैं भी रसोई में आ गया. मैं बिल्कुल आंटी के पीछे खड़ा हुआ. मैं आंटी को नीचे से बड़ी ध्यान से देखने लगा और मेरी नजर उनकी गांड पर रुक गयी.

मैं अब काफी जोश में था. मैं भी बिल्कुल आंटी की तरह पीछे से उन पर झपट पड़ा और उनकी गांड को मसलने लगा. ये पहली बार था, जब मैंने किसी औरत को छुआ था. मैंने अपना हाथ आगे बढ़ाया और उनकी चूत को सहलाने लगा.

आंटी आह्ह: अह्ह्ह जैसे सिसकारियां ले रही थीं. मैं पागलों की तरह कभी उनकी गांड दबाता, कभी चूत सहलाता तो कभी उनके रसीले आम जैसे स्तनों को मसलता.

फिर वो मेरी और घूमीं. उनके रसीले गुलाबी होंठ मेरे होंठों के बिल्कुल नज़दीक थे. मैं उनकी गरम सांसों को महसूस कर पा रहा था. मैंने बड़े प्यार से धीरे से अपने होंठों को उनके होंठों पर रखा.

आह्ह … उनके होंठ गुलाबजामुन की तरह मीठे थे. मैंने उनके ऊपरी होंठ को अपने होंठों में कैद किया और उन्हें चूसने लगा. उनके होंठों का रस पीने में मुझे काफी मजा आ रहा था. मैं कभी उनके ऊपरी होंठ चूसता, तो कभी उनके निचले होंठ को चूसता. दस मिनट तक मैं उनके होंठों को चूसता रहा.

फिर उन्होंने मुझे रोका और कहा- अभी खाना खाया है. कुछ देर रुक जाओ. तब तक मैं रसोई का काम ख़त्म करती हूँ.
उन्होंने मेरे लंड को दबाते हुए आगे कहा- बाकी काम बाद में करते हैं.

मैंने ओके कहा और बाहर जाकर सोफे पर बैठ टीवी देखने लगा. लेकिन मेरा मन नहीं लग रहा था. मैं आंटी का इंतज़ार कर रहा था. बीस मिनट हुए थे मैंने जैसे तैसे संयम बनाए रखा था.

तभी आंटी आईं. उन्होंने बड़ी अदा से जैसे फिल्मों में दिखते हैं, अपने बालों को खुला किया. वो मेरे ऊपर आईं और पागलों की तरह मुझे किस करने लगीं. मेरे होंठों को बेरहमी से चूसने लगीं … काटने लगीं.

मैं उनके चूतड़ों को मसलने लगा. मुझे तो जैसे जन्नत की हूर मिल गई थी. उन्होंने मुझे बेडरूम चलने को कहा. हम एक दूसरे को चूमते हुए एक दूसरे के वस्त्र उतारते हुए उनके बेडरूम जाने लगे. बेडरूम तक जाते जाते हमारे सारे वस्त्र उतर चुके थे.

बेडरूम में जाते ही उन्होंने मुझे पलंग पर धकेल दिया और मेरे तने हुए लंड पर टूट पड़ीं. वो मेरे लंड पूरा अन्दर तक लेकर चूस रही थीं. बीच बीच में मेरे अंडकोष को भी चूस रही थीं. मैं अपनी आंखें बंद करके इन पलों का मजा ले रहा था.

दो मिनट तक लंड चूसने के बाद वो पलंग पर लेट गईं और अपनी चूत चाटने को कहा. मैं तो इस पल का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था. मैं अपने मुँह को उनकी चूत के पास ले गया. उनकी चूत की गर्मी को मैं महसूस कर पा रहा था. मैंने धीरे से अपनी जीभ से उनकी चूत को स्पर्श किया.

“अह्ह्ह …” आंटी के मुँह से आवाज़ निकली. वो सिसकारियां ले रही थीं.

मैंने बिना देर किए अपने होंठों से उनके चूत के होंठों को चूसने लगा. उनकी चूत की खुशबू, उनकी चूत का स्वाद … आह मस्त कर देने वाला था. मेरा लंड तो काफी फनफनाने लगा था. चूत को चाटते चाटते मैं उनके स्तनों को भी मसल रहा था.

कुछ देर उनकी चूत चूसने के बाद मैंने उन्हें पेट के बल लिटाया. उनके चूतड़ों को अपने हाथों से फैलाया. उनकी गांड का छेद मेरे सामने था. मैं सीधा उनकी गांड के छेद को चाटने लगा. मैं आपको बता दूँ कि आंटी काफी क्लीन थीं. उनके मुँह से फिर सिसकारियां भरी आवाज़ें आने लगीं.

कुछ देर चूसने के बाद अचानक से मुझे उनके पति के बारे में याद आया. मैंने उनसे पूछा, तो उन्होंने कहा- वो आज नहीं आने वाले हैं. वो कल शाम को आएंगे.
मैं खुश हो गया. मुझे अब किसी भी बात की चिंता नहीं थी. मैं फिर से उनकी गांड चाटने में लगा रहा.

कुछ देर बाद मैंने उन्हें सीधा किया. मैंने अपनी एक उंगली उनकी चूत डाली. फिर दो उंगलीं, फिर तीन उंगलियां एक साथ उनकी चूत में डाल दीं और जैसे पोर्न मूवीज में दिखाते हैं, वैसे अपनी उंगलियों से उनकी चुदाई करने लगा.

वो मेरे इस हमले हड़बड़ा गईं और जोर जोर से ‘आहह … ओह्ह !’ की आवाज़ें करने लगीं. वो बड़ी तेजी से हिलने लगीं. शायद उन्होंने आज तक ऐसा कभी किया नहीं होगा.

मैं लगातार पांच मिनट तक ऐसा करता रहा. फिर उन्होंने पानी छोड़ दिया. मैंने जल्दी से अपना मुँह उनकी चूत पर लगाया और उनका सारा पानी पी गया.

वो हांफ रही थीं. उन्होंने कहा- ये क्या था ? कहां से सीखा ये ?
मैंने उन्हें आंख मारी और कहा- आंटी सब पोर्न से सीखा है … कैसा लगा ?

आंटी- अरे सच में काफी मजा आया. मैंने ऐसा कुछ पहले कभी नहीं किया.

मैं- आंटी आइस-क्रीम है ?
आंटी- हां है … फ्रिज में थोड़ी है. लेकिन अब आइसक्रीम का क्या करोगे ?
“जल्दी पता चल जाएगा.”
इतना कह कर मैं आइस-क्रीम लेने गया. मैं आइस-क्रीम लेकर आया और उनसे तैयार रहने को कहा.

मैंने आइस-क्रीम को उनके स्तनों पर डाली, उनके पेट पर डाली और कुछ उनकी चूत पर डाली. जिसकी गर्मी की वजह से आइस-क्रीम जल्दी से पिघलने लगी. मैं झट उनके ऊपर चढ़ा और उनके स्तन पेट और चूत चूस कर सारी आइस-क्रीम खा ली.

मैं- मजा आया ?
आंटी- काफी मजा आया. अभी और कुछ बाकी है. अब सारा समय यही सब करते रहोगे या इससे आगे का भी कुछ करोगे.
मैं- आंटी, मेरे पास कंडोम नहीं है.

आंटी ने साइड के अलमारी से कंडोम का पैकेट दिया और कहा- लो, जितने कंडोम चाहिए ले लो.

मेरा लंड पहले से ही काफी तना हुआ था. मैंने झट से पैकेट से एक कंडोम निकाला और उसे अपने लंड पर चढ़ा लिया.

आंटी पलंग पर चुदने के लिए रेडी थीं. मैंने आंटी के पैरों को अपने कंधों पर लिया. अपने लंड के टोपे को आंटी की चूत के द्वार पर रखा.

इससे पहले कि मैं लंड को अन्दर डालता आंटी ने कहा- आराम से डालना … और आराम

से करना … कोई जल्दी नहीं है.

Aunty Ki Chudai

मैंने ओके कहा और धीरे से धक्का मारा. लंड का टोपा आंटी की चूत में प्रवेश कर चुका था. आंटी की मुँह से अह्ह्ह … कामुक आवाज़ निकली. मैंने फिर से धीरे से धक्का मारा. अब मेरा आधा लंड आंटी की चुत निगल चुकी थी.

अब मैंने अपने आपको फिर से तैयार किया. आंटी भी अब तैयार थीं. इस बार मैंने थोड़ा जोर से धक्का मारा. लंड आंटी की चूत को चीरता हुआ अन्दर तक चला गया. इस बार आंटी के मुँह से जोर से आवाज़ आयी. मैं अब बिना रुके धक्के मरने लगा. मैं मजे से लंड को अन्दर बाहर करने लगा.

आंटी के मुँह से उम्म्ह… अहह… हय… याह… हम्म … जैसी कामुक आवाजें आने लगी थीं. उन्होंने मुझे अपनी ओर खींचा और अपने सीने से लगाया. मैं उनके मुलायम मम्मों को चूसने लगा, उनकी गर्दन को चूमने लगा. फिर उनके होंठों को चूसने लगा. मैं तो जैसे

सातवें आसमान पर था. मैं लगातार दस मिनट उन्हें ऐसे ही चोदता रहा.

तभी उन्होंने मुझे रोका ताकि मैं जल्दी झड़ न जाऊं. मैं कुछ देर उनके स्तनों को चूसने लगा मसलने लगा.

फिर मैंने आंटी को घोड़ी बनने को कहा. आंटी घोड़ी बन गईं. मैं उनके ऊपर चढ़ कर लंड को फिर से चूत के प्रवेश द्वार पर रखा. उनके बालों को प्यार से खींच कर एक ही झटके में लंड को उनकी चूत में पेल दिया.

अब मैं आंटी की सवारी कर रहा था. बीच बीच में मैं आंटी की गांड में अपनी बीच वाली उंगली डालने लगा. प्यार से उसे अन्दर बाहर करने लगा. आंटी भी अब काफी मजे में थीं. वो गांड को आगे पीछे करके खुद मुझसे चुद रही थीं. मैं उनके स्तनों को भी अच्छे से मसल रहा था. उनके पूरे शरीर को अच्छे से मसल रहा था.

ऐसे ही मैंने आंटी को अलग अलग आसन में चोदा. जब मेरा निकलने वाला था, तो मैंने झट से कंडोम निकला और आंटी के स्तनों पर अपने वीर्य को छोड़ दिया.

आंटी ने मेरा लंड अपने मुँह में लिया और उसे चूस कर साफ कर दिया. आंटी पलंग पर लेटी रहीं.

मैं भी आंटी की बगल में लेट गया. मैंने आंटी की ओर देखा और उनसे कहा- आंटी आज सच में आपने मुझे जन्नत दिखा दी. आप सच में काफी खूबसूरत हो. जन्नत की अप्सरा हो.

आंटी ने वही अपनी कातिलाना मुस्कान दी. मैंने आंटी को पेट के बल लेटने को कहा. आंटी बिना कुछ कहे पेट के बल लेट गईं.

मैंने थोड़ा तेल लिया और आंटी के जिस्म की मालिश करने लगा. मैंने आंटी के जिस्म को काफी अच्छे मसला था और अब मेरा फ़र्ज़ बनता था कि मैं उन्हें थोड़ा आराम दूँ. इसलिए मैंने उनकी जिस्म की अच्छे से मालिश की. इस बीच हम दोनों ने फिर से वाइन के दो दो पैग लगाए और फिर से चुदाई का मजा लेने लगे.

पूरी रात हम बस चुदाई करते रहे. मैंने आंटी की गांड भी मारी. लेकिन वो सेक्स कहानी मैं अगली बार लिखूंगा.

आपको मेरी यह आंटी की चुदाई कहानी कैसी लगी, कमेंट्स करके बताना.

Other stories you may be interested in

प्यासी भाभी ने चुदाई के लिए घर बुलाया

सबसे पहले आप सभी को मेरा नमस्कार ! रोज इस साइट मैं कहानियाँ पढ़ता हूँ तो मैंने सोचा कि आज अपनी भी जीवन की सच्चाई लिख डालूं. अगर कुछ गलती हुई हो तो क्षमा करियेगा. अब अपना परिचय देता हूँ मेरा […]
Full Story >>>

मूली गाजर ले लो, खीरा ले लो

दोस्तो, वैसे तो आप मेरी कहानी का शीर्षक पढ़ कर ही समझ गए होंगे कि मेरी कहानी एक सब्जी वाले के साथ हुई चुदाई की है. मगर ये सब्जी वाला कोई ऐसा वैसा सब्जी वाला नहीं है ; ये हैं गोविन्द […]
Full Story >>>

बहू के साथ शारीरिक सम्बन्ध-6

मेरे इशारे को समझते हुए वो मेरी बांहों की कैद में आ गयी और अपने दोनों पैरों को फैलाते हुए बैठने लगी. “अहं अहं … अभी मत बैठो, ऐसे ही खड़ी रहो !” कहते हुए मैंने उसके तौलिये के अन्दर हाथ […]
Full Story >>>

खूबसूरत किरायेदार भाभी को पटा कर चोदा

दोस्तो, मेरा नाम विन चौधरी है. मैं हरियाणा का रहने वाला हूँ. मैं अन्तर्वासना का पिछले दस सालों से नियमित पाठक हूँ. मैंने यहां पर बहुत सी सेक्स कहानियां पढ़ी हैं पर सबसे ज्यादा मुझे देवर भाभी की सेक्स कहानियां […]
Full Story >>>

बहू के साथ शारीरिक सम्बन्ध-5

थोड़ी देर तक बहू ऐसे ही करती रही और फिर एक बार सीधी बैठी और इस बार अपनी साड़ी को अपने से अलग किया तो मुझे उसका मैचिंग पेटीकोट नजर आया। सायरा अब और नीचे मेरी जांघ की तरफ आ […]
Full Story >>>